Content

:: १० ::

अनुक्रमणिका

अध्याय :: एक :: विषय प्रवेश पृ. : १-६७

प्रास्ताविक - 'उपन्यास' शब्द की व्याख्या - पश्चिम में उपन्यास का विकास - हिन्दी उपन्यास का उदभव और विकास - हिन्दी उपन्यास का विकास प्रेमचंदोत्तर काल - विभिन्न औपन्यासिक प्रवृत्तियाँ - मनोवैज्ञानिक उपन्यास - मनोवैज्ञानिक उपन्यास अवधारणाएँ - मनोवैज्ञानिक उपन्यासों के सृष्टि के कारक - प्रबन्ध हेतु उपजीव्य मनोवैज्ञानिक उपन्यासों की सूची - निष्कर्ष - संदार्भानुक्रम ।

अध्याय :: दो :: मनोवैज्ञानिक उपन्यास : सैद्धान्तिक निरुपण पृ. : ६८-१३४

प्रास्ताविक - मनोवैज्ञानिक क्षण - मनोवैज्ञानिक क्षण : औपन्यासिक उदाहरण - मनोवैज्ञानिक ग्रंथियाँ - लघुता ग्रंथि - प्रभुत्व ग्रंथि - इलेक्ट्रा ग्रंथि - इडीपस ग्रंथि - सादवादी ग्रंथि - मासोकवादी ग्रंथि - सेक्स्युअल परवर्जन की ग्रंथि - फ्रिजीडीटी ग्रंथि - निम्फोमेनिया - फोबिया ग्रंथि - मनोवैज्ञानिक समस्याएँ - शिशु मनोविज्ञान की समस्या - पति-पत्नी के बीच तनाव की समस्या - काम (Sex) की समस्या - अहम् की समस्या - भय की समस्या - कामंजनिक कुंठाएँ - अप्राकृतिक कामवृत्तियाँ - कामेच्छा की विपुलता - समलैंगिक काम भावना - गुदा मैथुन - पशु मैथुन - मुख मैथुन - हस्त मैथुन - पीड़ा द्वारा काम संतुष्टि - ट्रान्सवेस्टिजम - निष्कर्ष - संदर्भानुक्रम ।

अध्याय :: तीन :: हिन्दी के मनोवैज्ञानिक उपन्यासों में मनोवैज्ञानिक क्षणों का निरुपण **पृ. : १३५-२४३**

प्रास्ताविक - त्याग पत्र - सुनीता - अनामस्वामी - परख - मुक्तिबोध - पानी बीच मीन पियासी - प्रेत और छाया - शेखर एक जीवनी - अपने अपने अज़नबी - नदी के द्वीप - रेखा - ड़ाक बंगला - तीसरा आदमी - अंधेरे बन्द कमरे - मछली मरी हुई - पचपन खंभे लाल दीवारें - सूरजमुखी अंधेरे के - आपका बंटी - कृष्ण कली - वे दिन - अनदेखे अनज़ान पुल - बेघर - आँखो की दहलीज़ - चित्त कोबरा - पतझड़ की आवाज़ें - सीढ़ियाँ - नावें - तत्सम् - बँटता हुआ आदमी - रेत की मछली - कोबरे - निष्कर्ष - संदर्भानुक्रम ।

अध्याय :: चार :: हिन्दी के मनोवैज्ञानिक उपन्यासों में मनोवैज्ञानिक ग्रंथियों का निरुपण **पृ. : २४४-३०२**

प्रास्ताविक - मनोवैज्ञानिक ग्रंथियाँ और मानव व्यवहार - विविध प्रकार की मनोवैज्ञानिक ग्रंथियाँ - लघुता ग्रंथि - प्रभुत्व ग्रंथि - बद्धत्व ग्रंथि - इलेक्ट्रा ग्रंथि - इडीपस ग्रंथि - फोबीया ग्रंथि - यौन ग्रंथियाँ - सादवादी और मासोकवादी ग्रंथि - इन ग्रंथियों के आधार पर विवेच्य उपन्यासों में उनका विश्लेषण परक अध्ययन - निष्कर्ष - संदर्भानुक्रम ।

अध्याय :: पाँच :: हिन्दी के मनोवैज्ञानिक उपन्यासों में मनोवैज्ञानिक समस्याओं का निरुपण पृ. : ३०३-३६०

प्रास्ताविक - मनोवैज्ञानिक समस्याएँ - वैयक्तिक जीवन के संदर्भ में - पारिवारिक जीवन के संदर्भ में - सामाजिक जीवन के संदर्भ में - आर्थिक पक्ष के संदर्भ में - जैविक स्थिति के संदर्भ में - सांस्कृतिक मान्यताओं के संदर्भ में - यौन समस्याएँ - निष्कर्ष - संदर्भानुक्रम ।

अध्याय :: छ :: हिन्दी के मनोवैज्ञानिक उपन्यासों में मनोवैज्ञानिक काम-कुंठाओं का निरुपण पृ. : ३६१-४०५

प्रास्ताविक - किशोर तथा युवावस्था के स्त्री पुरुषों में काम-कुंठाओं का चित्रण - प्रौढ़ अथवा वृद्धावस्था के स्त्री पुरुषों में काम-कुंठाओं का चित्रण - शिशु अवस्था की बाल-बालिकाओं में काम-कुंठाओं का चित्रण - काम-कुंठाओं के परिणाम - जातीय ठंडापन - नपुंसकता - पुरुष समलैंगिकता - स्त्री समलैंगिकता - गुदामार्गीय मैथुन - हस्त मैथुन - पशु मैथुन - ट्रान्सवेस्टिजम - जातीय वृत्ति का आधिक्य - अश्लील साहित्य (erotics) का पठन-पाठन - निष्कर्ष - संदर्भानुक्रम ।

:: १३ ::

अध्याय :: सात :: उपसंहार पृ. : ४०६-४२४

शोध प्रबंध का सार संक्षेप (समग्रवलोकन द्वारा निष्कर्ष) - प्रबन्ध की उपादेयता - उपलब्धियाँ - भविष्यत् संकेत ।

संदर्भिका (Bibliography) :: पृ. : ४२५-४३२

परिशिष्ट : एक : उपजीव्य ग्रंथो की सूची

परिशिष्ट : दो : सहायक ग्रंथो की सूची (हिन्दी)

परिशिष्ट : तीन : सहायक ग्रंथो की सूची (अंग्रेजी)

परिशिष्ट : चार : पत्र-पत्रिकाएँ